vinetur

राजस्व के लिहाज़ से Diageo India बनी भारत की सबसे बड़ी अल्कोहल कंपनी

Imperial Blue की बिक्री के बाद Pernod Ricard का राजस्व 13.6% घटा; FY26 में United Spirits ने 27,816 करोड़ रुपये दर्ज किए

रविवार, 22 नवंबर 2026



31 मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष में Imperial Blue कारोबार की बिक्री के बाद Pernod Ricard India की बिक्री में तेज गिरावट आई। इसके चलते Diageo India राजस्व के लिहाज़ से Pernod Ricard India को पीछे छोड़कर देश की सबसे बड़ी अल्कोहलिक पेय कंपनी बन गई।

भारत के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़ के पास दाखिल वित्तीय दस्तावेज़ों के मुताबिक, FY26 में Pernod Ricard India का परिचालन राजस्व 13.6% घटकर 23,701.27 करोड़ रुपये रह गया। अन्य आय सहित उसकी कुल आय 12.8% गिरकर 24,122.03 करोड़ रुपये रही।

इस गिरावट के चलते सूचीबद्ध इकाई United Spirits के ज़रिये कारोबार करने वाली Diageo India शीर्ष स्थान पर पहुंच

गई। FY26 में United Spirits का परिचालन राजस्व एक साल पहले की तुलना में 4.38% बढ़कर 27,816 करोड़ रुपये रहा, जबकि कुल समेकित आय बढ़कर 28,294 करोड़ रुपये हो गई।

यह बदलाव ऐसे बाज़ार में उल्लेखनीय है जिसे वैश्विक स्पिरिट्स कंपनियां दीर्घकालीन वृद्धि के लिए सबसे अहम बाज़ारों में से एक मानती हैं। यह भी दिखाता है कि पोर्टफोलियो में बदलाव भारत में बाज़ार की रैंकिंग को तेजी से बदल सकते हैं। भारत स्पिरिट्स कंपनियों के लिए एक प्रमुख प्रतिस्पर्धी मैदान है और प्रीमियम शराब, बीयर तथा अन्य पेय पदार्थों के उत्पादकों के लिए इसका महत्व लगातार बढ़ रहा है।

हाल के वर्षों में Pernod Ricard शीर्ष स्थान पर रही थी। FY26 में उसकी गिरावट की मुख्य वजह Imperial Blue को Tilaknagar Industries को बेचना था, जिससे फ्रांसीसी कंपनी की मास-मार्केट में मौजूदगी कम हुई। Diageo का शीर्ष पर पहुंचना उस घटना के कई साल बाद हुआ है, जब United Spirits ने प्रीमियम उत्पादों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की रणनीति के तहत 2021 में लोकप्रिय कम कीमत वाले व्हिस्की ब्रांडों का एक समूह Inbrew Beverages को बेच दिया था।

ये आंकड़े भारत के अल्कोहलिक पेय उद्योग में व्यापक फेरबदल को रेखांकित करते हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियां जहां प्रीमियम और लग्जरी ब्रांडों को आगे बढ़ा रही हैं, वहीं घरेलू कंपनियां भी अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं। प्रमुख कंपनियों में Radico Khaitan का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। FY26 में उसकी कुल समेकित आय लगभग 22.7% बढ़कर 20,976.4 करोड़ रुपये हो गई, जो FY25 में 17,098.5 करोड़ रुपये थी। राजस्व के लिहाज़ से यह भारतीय कंपनी बाज़ार में तीसरे स्थान पर रही।

Radico Khaitan के पोर्टफोलियो में Magic Moments vodka, 8PM whisky, Rampur Indian Single Malt, Jaisalmer Indian Craft Gin और Royal Ranthambore whisky शामिल हैं। उसकी वृद्धि से संकेत मिलता है कि भारतीय उपभोक्ताओं की ऊंची कीमत वाली स्पिरिट्स पर अधिक खर्च करने की इच्छा का लाभ विदेशी कंपनियों के साथ-साथ घरेलू उत्पादकों को भी मिल रहा है।

Heineken के नियंत्रण वाली बीयर निर्माता United Breweries बाज़ार की एक अन्य बड़ी कंपनी बनी रही, हालांकि उसके नतीजे कमजोर हुए। FY26 में कंपनी की कुल समेकित आय लगभग 10% घटकर 17,508.66 करोड़ रुपये रही, जबकि एक साल पहले यह 19,444.44 करोड़ रुपये थी।

Diageo India और Pernod Ricard India के वित्तीय नतीजे दिखाते हैं कि प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव वाले साल में भी इस बाज़ार का आकार कितना बड़ा है। FY26 में दोनों कंपनियों की कुल आय मिलाकर 52,416.03 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष के 55,275.6 करोड़ रुपये से 5.17% कम है।

राजस्व में गिरावट के बावजूद Pernod Ricard का अंतिम मुनाफा काफी बढ़ा। जारी परिचालनों से उसका मुनाफा एक साल पहले के 1,734.59 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,551.60 करोड़ रुपये हो गया। इस बढ़ोतरी में Imperial Blue की बिक्री से हुए 3,223.49 करोड़ रुपये के असाधारण लाभ का बड़ा योगदान रहा।

इन असाधारण मदों को हटाने पर भी Pernod Ricard ने परिचालन में सुधार दर्ज किया। असाधारण मदों और कर से पहले का मुनाफा FY26 में 5.68% बढ़कर 2,475.29 करोड़ रुपये रहा, जबकि FY25 में यह 2,342.24 करोड़ रुपये था। कंपनी का कुल खर्च 14.51% घटकर 21,646.74 करोड़ रुपये रह गया।

कंपनी ने अपने ब्रांडों के प्रचार पर खर्च भी बढ़ाया। विज्ञापन और प्रचार पर खर्च FY26 में 12.44% बढ़कर 971.69 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले यह 864.16 करोड़ रुपये था। उसका कुल कर खर्च 88.8% बढ़कर 1,147.18 करोड़ रुपये रहा, जो पहले 607.65 करोड़ रुपये था।

मात्रा के लिहाज़ से भारत अब भी Pernod Ricard का दुनिया का सबसे बड़ा बाज़ार है और वृद्धि के उसके सबसे अहम बाज़ारों में शामिल है। कंपनी Absolut, Jameson, Chivas Regal, Ballantine's और The Glenlivet जैसे अंतरराष्ट्रीय

ब्रांड बेचती है। भारत में उसके Seagram पोर्टफोलियो में Blenders Pride, 100 Pipers, Longitude 77 और Xclamat!on शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, Pernod Ricard अपने भारतीय कारोबार के संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) की तैयारी का काम भी जारी रखे हुए है। बाज़ार के आकार और प्रतिस्पर्धा में बदलाव की तेज़ रफ्तार के कारण किसी भी संभावित सूचीबद्धता पर निवेशकों की करीबी नज़र रहने की संभावना है।

राजस्व के लिहाज़ से नेतृत्व में आया यह बदलाव सीधे तौर पर जुड़ी दोनों कंपनियों से आगे भी असर डाल सकता है। भारत में जहां शराब की खपत में स्पिरिट्स का दबदबा है और प्रीमियम उत्पादों की ओर बढ़ना उद्योग की केंद्रीय रणनीति बन गया है, वहां किसी बड़े मास-मार्केट ब्रांड की बिक्री पूरे क्षेत्र में बाज़ार हिस्सेदारी, मूल्य निर्धारण की ताकत और निवेश योजनाओं को बदल सकती है। इससे दुनिया के सबसे करीब से देखे जाने वाले पेय बाज़ारों में से एक में वैश्विक और घरेलू उत्पादक अपने व्हिस्की, vodka, gin और beer पोर्टफोलियो को किस तरह पेश करते हैं, इस पर असर पड़ सकता है।